हर्षोल्लास से मनाया गया ओ.आर.सी. का अठारहवां वार्षिकोत्सव

ब्रह्माकुमारीज़ ला रही लोगों के विचारों में शुद्धता

दादी रतनमोहिनी के साथ केक काटते हुए ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. बृजमोहन, मेयर मधु आचार्य तथा वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी बहनें।

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। ओम शांति रिट्रीट सेंटर ने आध्यात्मिक ऊर्जा की तरंगों को सारे विश्व में फैलाते हुए अपने 18वें वर्ष में प्रवेश किया। सेंटर का 18वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कुदरत की गोद में जो बसता गुलिश्ता प्यारा, वो आशियां हमारा, ओ.आर.सी. हमारा... गीत पर मार्मिक प्रस्तुति ने सबको भाव-विभोर कर दिया।

मुख्य अतिथि गुरूग्राम की मेयर मधु आचार्य ने कहा कि संस्था लोगों के अंदर शुद्ध एवं श्रेष्ठ विचारों का संचार कर मन को शक्तिशाली बनाने का कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा बताई जा रही शिक्षाओं को जीवन में अपनाएं, क्योंकि आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों से ही समस्याओं का सामना कर सकेंगे।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त ऋषिपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था वास्तव में विश्व परिवर्तन का श्रेष्ठ कार्य कर रही है। उसमें भी विशेष राजधानी दिल्ली के समीप बना ये सुंदर परिसर अपने आध्यात्मिक प्रकम्पनों से चारो ओर एक शक्तिशाली वातावरण निर्मित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं जब भी इस परिसर में आता हूँ तो मुझे यहां पर सभी के चेहरों से अलौकिकता, सौम्यता और शालीनता की झलक अनुभव होती है। जिसे मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

- **ओ.आर.सी. की अठारह विशेषताओं को बहुत ही सुंदर फूलों के माध्यम से व्यक्त किया गया।**
- **पवित्रता हमारा निजी गुण है**
- **आध्यात्मिकता में निहित सर्व समस्याओं का समाधान**
- **यहां के आध्यात्मिक प्रकम्पनों से होता शक्तिशाली वातावरण का निर्माण**
- **संस्कार परिवर्तन से विश्व परिवर्तन**

इस अवसर पर विशेष रूप से माउण्ट आबू से आईं ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि शान्ति की अनुभूति के लिए हमें स्वयं के वास्तविक स्वरूप को जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पवित्रता हमारा निजी गुण है। जितना हम अपने शुद्ध स्वरूप में स्थित होते हैं, उतनी ही शान्ति की अनुभूति हमें सहज होती है।

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि हमें गुणों का स्वरूप बनकर दूसरों को प्रेरणा देनी है। हमें सिर्फ स्वयं के जीवन को ही सुंदर नहीं बनाना है, बल्कि सारे विश्व को सुंदर बनाना है। उन्होंने कहा कि जब हमारे संस्कारों में परिवर्तन आयेगा, तब ही विश्व परिवर्तन होगा।

ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा दीदी ने सेंटर के द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ओ.आर.सी. में सरकार की तरफ से भी अधिकारियों के लिए अनेक मैनेजमेंट के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का मुख्य उद्देश्य श्रेष्ठ समाज की पुनः स्थापना करना है। उन्होंने कहा कि यही भारत पहले स्वर्ग कहलाता था, जहां देवताएं निवास करते थे। आज पुनः उन मूल्यों की जागृति से सारे विश्व को सतयुग व स्वर्ग बनाना है।

इस अवसर पर संस्था के कई अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी अपनी शुभ कामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में पाँच हज़ार से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

गुस्सा करता हमारी शक्तियों को क्षीण

'सेलिब्रेट एवरी मोमेन्ट' विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम

पटियाला-पंजाब। 'सेलिब्रेट एवरी मोमेन्ट' विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा एवं प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि गुस्सा हमें अंदर से खोखला करता है, लेकिन हम इसे एक शक्ति समझते हैं। असली शक्तियां धैर्य और सहिष्णुता है। हर इंसान शांति, खुशी, शक्ति, अच्छे व्यवहार, प्रेम और सम्बंधों में सम्मान की कामना करता है। उन्होंने कहा कि हम अपने मन की स्थिति के लिए स्वयं ज़िम्मेदार हैं। हमारे जीवन में विपत्तियां होंगी, लेकिन उन्हें पार करना, ये हमारे हाथ में है। राजयोग मेडिटेशन के अभ्यास से हम सर्वोच्च शक्ति, सर्वोच्च आत्मा, सर्वोच्च पिता के साथ सभी सम्बंधों की अनुभूति कर सकते हैं। उन्होंने जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए जागरुक जीवन और मेडिटेशन की प्रासंगिकता के बारे में बताया। उन्होंने पंजाब में भारी नशीली दवाओं के अनियंत्रित दुरुपयोग की समस्या को हल करने में मेडिटेशन की भूमिका पर बल दिया। विशेष अतिथि फिल्म एक्टर तथा अवेकनिंग विद ब्रह्माकुमारीज़ शो के होस्ट सुरेश ओबरॉय ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि हमारी खुशी हमारे हाथ में ही है, बस हमें स्वयं को बदलने की ज़रूरत है।

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. शांता, मिनिस्टर विजय इंदर सिंगला, सुरेश ओबरॉय तथा अन्य अतिथि गण।

कैबिनेट मिनिस्टर विजय इंदर सिंगला तथा क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. शांता ने पंजाब के नागरिकों की ओर से ब्र.कु. शिवानी तथा सुरेश ओबरॉय का स्वागत करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा सामाजिक सुधार के लिए ऐसे अविश्वसनीय कार्यों की सराहना की।

- **ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा पंजाबी युनिवर्सिटी कैम्पस में कार्यक्रम का विशाल और भव्य आयोजन**
- **विपत्तियों को पार करना हमारे ही हाथ में - शिवानी**
- **खुशी की प्राप्ति के लिए स्वयं को बदलने की ज़रूरत - ओबरॉय**

पंजाबी विश्वविद्यालय के उप कुलपति डॉ. बी.एस. घुमन ने विश्वविद्यालय परिसर में आध्यात्मिकता की ताज़ी हवा लाने के लिए ब्र.कु. शिवानी तथा ब्रह्माकुमारीज़ को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम में पंजाब के संजीव गर्ग,राज्य सूचना आयुक्त, राजेश, विशेष कर्त्तव्य अधिकारी, मुख्यमंत्री, के.के. शर्मा,अध्यक्ष, पंजाब रोड ट्रान्सपोर्ट कॉर्पोरेशन, संजीव शर्मा,महापौर,पटियाला, डी.पी. सिंगला,न्यायाधीश, सरदार मनदीप सिंह सिद्धू,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित कई महानुभाव शरीक हुए। मंच संचालन ब्र.कु. डॉ. राजेश ने किया।

कार्यक्रम में लगभग दस हज़ार लोग, जिसमें पटियाला के प्रशासन, नगर पालिका, पुलिस, न्यायपालिका, चिकित्सा, शिक्षण संस्थान के सदस्यों सहित छात्र, वरिष्ठ नागरिक तथा अन्य अनेक लोगों ने कार्यक्रम का लाभ लिया तथा इसकी सराहना की।

गीता ज्ञान न केवल सुनने के लिए, बल्कि जीवन में धारण करने के लिए

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. नेहा, ब्र.कु. विद्या तथा अतिथिगण।

अम्बिकापुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के चोपड़ापाड़ा सेवाकेन्द्र द्वारा परसडिहा में ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. वी.के. सिंह, स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कं. लि. के अधीक्षण अभियंता जी.एल. चंद्रा, एस.डी.ओ. बी.एस. पाठक उपस्थित रहे। गीता पाठशाला के उद्घाटन के साथ ही पाँच दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें सिवनी से आईं ब्र.कु. नेहा ने बताया कि सर्वशास्त्रमई गीता ऐसा धर्म शास्त्र है जो मनुष्य की मनोस्थिति को शक्तिशाली बना देने वाला है। यह गीता मनुष्य के हित के लिए भगवान ने गाई है। जब मनुष्य की मनोस्थिति कमज़ोर हो जाती है तब ये गीता औषधि का काम करती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्नान करने से शरीर का मैल धुल जाता है, उसी प्रकार भगवद् गीता का ज्ञान सुन कर उसे अपने जीवन में धारण से पाप खत्म हो जायेंगे। जिस प्रकार अर्जुन हर कार्य को कृष्ण से पूछकर करते थे, उसी प्रकार हमें भी हर कार्य परमात्मा की श्रीमत प्रमाण करना चाहिए।

इस ज्ञान यज्ञ शिविर के समापन अवसर पर सभी से बुराइयों को स्वाहा कराया गया।

तत्पश्चात् सरगुजा संभाग संचालिका ब्र.कु. विद्या ने पाँच दिवसीय राजयोग अनुभूति शिविर कराकर सभी को ध्यान मग्न कर दिया।

'स्वर्णिम युग के लिए वैश्विक ज्ञान' थीम पर कार्यक्रम

जम्मू। सेवाकेन्द्र द्वारा 'ग्लोबल एनलाइटमेंट फॉर गोल्डन एज' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद जुगल किशोर शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने समाज से काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, बदला लेने की भावना जैसी बुराइयों को उखाड़ फेंकने का जो प्रयास किया है, ये सराहनीय है। ये संस्था पूरी शक्ति और विश्वास के साथ भ्रष्टाचार, अधर्म और हिंसा से मुक्त एक नये युग, स्वर्णिम युग की स्थापना का कार्य कर रही है।

रविन्द्र रैना,भाजपा अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक ने कहा कि मैंने आज यहां सीखा है कि हम लागों, समाज, देश और फिर दुनिया को बदलने की बात करते हैं, लेकिन ये तब तक संभव नहीं है जब तक हम खुद को नहीं बदलते।

मनीष शर्मा,पूर्व वाइस चेयरपर्सन,जैकफेड ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ समाज के हर क्षेत्र में कार्य कर रहा है। दुनिया को बदलने की दिशा में ये प्रयास निश्चित रूप से शानदार रंगों के साथ बाहर आयेगा। ये संस्था एक नये युग, स्वर्णिम युग की स्थापना हेतु स्वयं के परिवर्तन और जीवन में दिव्य गुणों को लागू करने का काम कर रहा है। राजयोगिनी ब.कु. आशा, निदेशिका, ओ.आर.सी. गुरूग्राम ने कहा कि हमारी खुशी और दुःख के बीज हमारे अपने विचार के अलावा अन्य कुछ नहीं है। जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिए खुद को जानने की और अपने दिमाग को पूरे दिन चलने वाले विचारों की गुणवत्ता के बारे में शिक्षित करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा, इंसान वो है, जो वो सोचता है।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए सांसद जुगल किशोर शर्मा, भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र रैना, ब्र.कु. रविन्द्र, ब्र.कु. आशा बहन तथा ब्र.कु. सुदर्शन बहन ।

ब्र.कु. कुसुम लता ने कॉमेन्ट्री के माध्यम से सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। क्षेत्रीय निदेशिका ब्र.कु. सुदर्शन ने मेहमानों का स्वागत किया और अपने आशीर्वचन से सभी को लाभान्वित किया। पूर्व में छोटे बच्चों द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लिया। सभी ने 'स्वर्ण युग के लिए वैश्विक ज्ञान' विषयक ब्रह्माकुमारीज़ के इस अनूठे प्रयास की सराहना की।

मंच सचिव ब्र.कु. रविन्दर ने सभी को धन्यवाद किया।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Jan 2019
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।